



# अगस्त कॉम्ट: विज्ञानों का संस्तरण

## (Auguste Comte: Hierarchy of Sciences)

**डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय**

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

# अगस्त कॉम्ट (1798–1857): व्यक्तित्व एवं कृतित्व

- **जन्म:** 19 जनवरी, 1798 माण्टपेलियर, फ्रांस
- रूढ़िवादी कैथोलिक तथा मध्य वर्गीय परिवार
- कॉलेज में आंदोलन के कारण निष्काषित (1816)
- हेनरी डे सेंट साइमन (Utopian/Idealistic Society) से मुलाकात (1817)
- Plan of scientific studies necessary for the reorganisation of society (1822 in French & 1824 in English)
- Course of Positive Philosophy (6 Vol.), 1830–42 (प्रत्यक्षवाद, त्रि-स्तरीय नियम तथा समाजशास्त्र का सैद्धांतिक आधार)
- System of Positive Polity (4 Vol.), 1851–54 (सैद्धांतिक विचारों को व्यावहारिक स्वरूप, मानवता का धर्म)
- Religion of Humanity, 1856

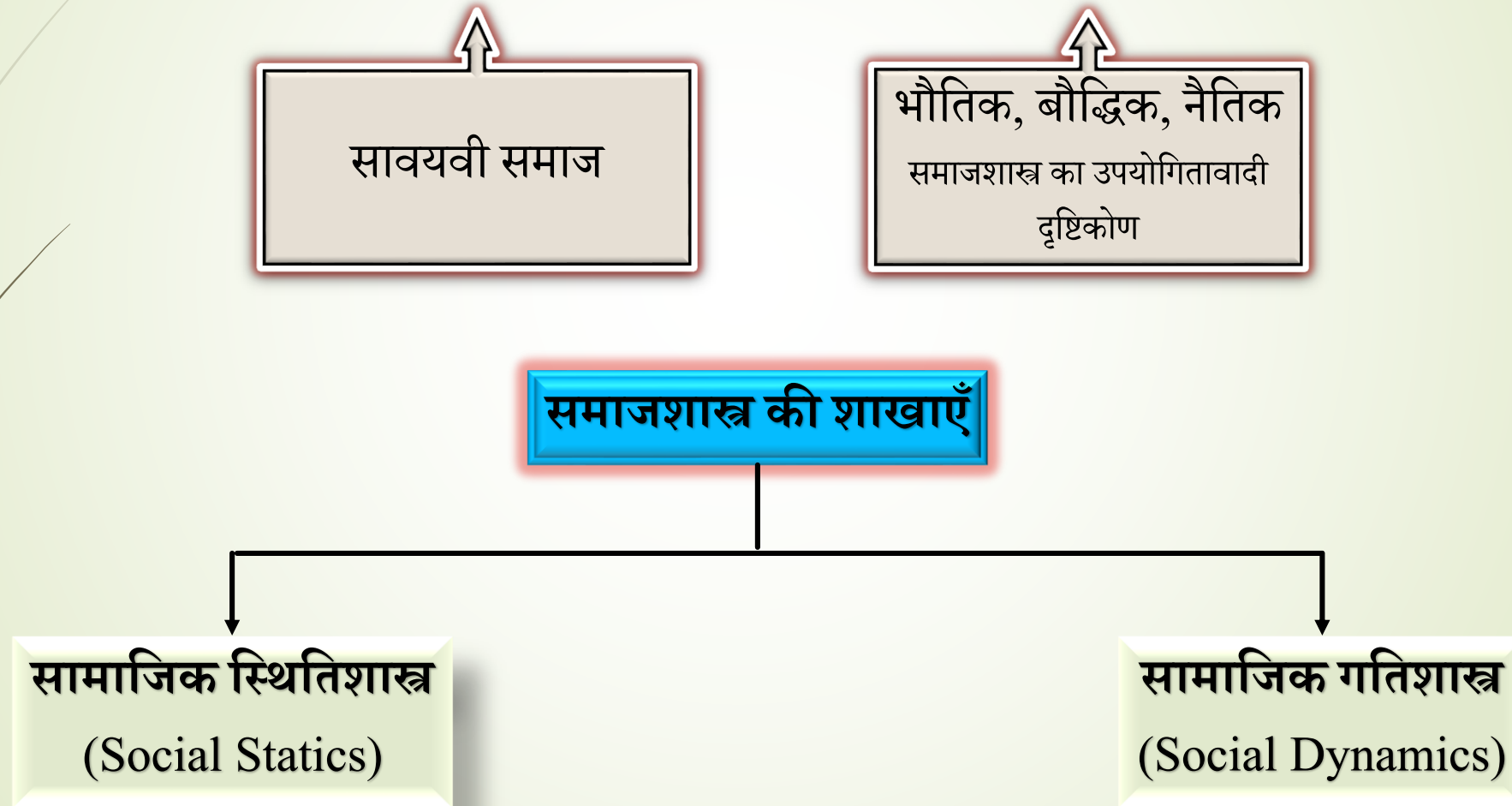


# अगस्त कॉम्ट: बौद्धिक परिवेश

- ❖ आधुनिक वैचारिक पद के अनुसार विज्ञान का प्रथम दार्शनिक
- ❖ अकादमिक विषय 'समाजशास्त्र' का जनक
- ❖ हेनरी डे सेंट साइमन के विचारों से प्रभावित
- ❖ 19वीं सदी के विचारकों (विशेष रूप से कार्ल मार्क्स, जे. एस. मिल तथा ईमाइल दुर्खीम) पर प्रभाव
- ❖ अगस्त कॉम्ट के बारे में रेमण्ड एरों लिखते हैं, 'वे दर्शनियों के बीच एक प्रखर समाजशास्त्री थे तथा समाजशास्त्रियों के बीच एक दार्शनिक।'
- ❖ कॉम्ट के वैचारिक परिप्रेक्ष्य:
  - विश्व में औद्योगिक व फ्रांसीसी क्रांति के परिणामस्वरूप उभरी नवीन सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था को सामाजिक संगठन के नए स्वरूप के तौर पर समझना।
  - संपूर्ण मानव जाति के इतिहास को अलग-अलग स्वरूपों व इतिहासों के क्रम में देखने के बजाय उसे एक विश्व व्यापी स्वरूप के एक ही ऐतिहासिक क्रम में रखा जाना चाहिए।
  - विभिन्न संस्थागत भिन्नताओं के बावजूद सभी आधारभूत सामाजिक व्यवस्था में एकरूपता है तथा संबंधित प्रगति की अवस्थाएँ भी एक समान हैं।

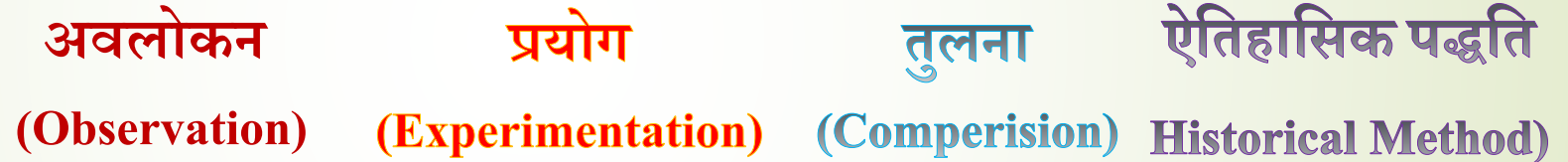
# अगस्त कॉम्ट: सैद्धांतिक परिचय

समाजशास्त्र सामाजिक व्यवस्था (Social Order) तथा प्रगति (Social Progress) का विज्ञान है।



# समाजशास्त्र एक विज्ञान है।

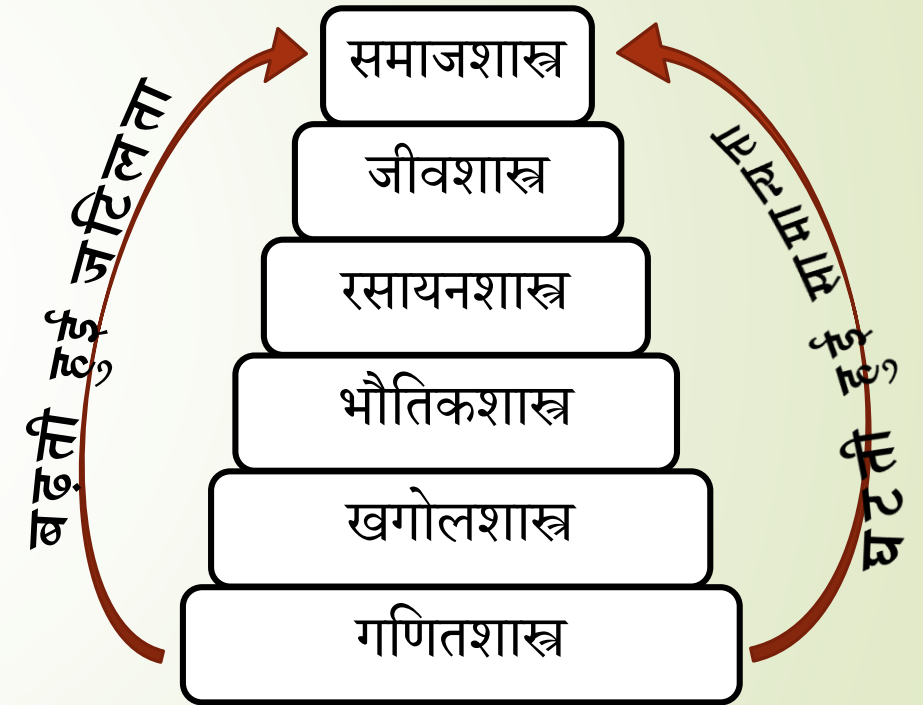
- ❖ समाजशास्त्र कोई विषय सामग्री नहीं, अपितु एक अध्ययन पद्धति है।
- ❖ विज्ञान ⇨ पद्धति ⇨ प्रत्यक्षवाद
- ❖ प्रत्यक्षवादी पद्धति



- ❖ वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
- ❖ कार्य-कारण संबंध
- ❖ वैज्ञानिक पद्धति की सहायता से तथ्य संकलन

# विज्ञानों का संस्तरण

- नवीन, जटिल, अग्रिम विज्ञान
- समाजशास्त्र को विशिष्ट प्रस्थिति प्रदान करना
- विभिन्न विज्ञानों के परस्पर संबंध तथा संस्तरण का सिद्धांत
  - निर्भरता के बढ़ते हुए क्रम के आधार पर (सबसे पहले विकसित होने वाला विज्ञान अपेक्षाकृत अधिक स्वतंत्र तथा बाद में विकसित होने वाला विज्ञान पूर्व के विज्ञान पर निर्भर)
  - घटती हुई सामान्यता तथा बढ़ती हुई जटिलता के आधार पर



# विज्ञानों का संस्तरण

विषय	बढ़ती हुई निर्भरता का क्रम	बढ़ती हुई जटिलता का क्रम
गणितशास्त्र	आत्मनिर्भर	सरलतम विज्ञान
खगोलशास्त्र	गणितशास्त्र पर निर्भर	गणित से जटिल
भौतिकशास्त्र	गणित तथा खगोल दोनों पर निर्भर	गणित तथा खगोल से जटिल
रसायनशास्त्र	उपरोक्त तीनों पर निर्भर	उपरोक्त तीनों से जटिल
जीवशास्त्र	उपरोक्त चारों पर निर्भर	उपरोक्त चारों से जटिल
समाजशास्त्र	सभी पर निर्भर	सर्वाधिक जटिल विज्ञान

# विज्ञानों का संस्तरण

विज्ञानों की प्रकृति एवं विषय वस्तु के आधार पर

विषय वस्तु	विश्लेषणात्मक (अजैव)	संश्लेषणात्मक (जैव)
सामान्य	गणित	—
दिव्य (आकाश पिंडीय)	खगोलशास्त्र	—
पार्थिव/ऐहिक	भौतिकशास्त्र एवं रसायनशास्त्र	जीवशास्त्र एवं समाजशास्त्र



# विज्ञानों का संस्तरण

## पद सोपान

स्तर	विज्ञान	विशेषता
सर्वोच्च स्थान	जीवशास्त्र एवं समाजशास्त्र	जटिलता, विशिष्टता, संयोजकता
मध्य स्तर	रसायनशास्त्र, भौतिकशास्त्र एवं खगोलशास्त्र	कम जटिल, कम विशिष्ट
आधार स्तर	गणित	अमूर्त, सरल, सामान्य

# विज्ञानों का संस्तरण

अगस्त कॉम्ट 'System of Positive Polity, 1966

‘सामाजिक भौतिकी से तात्पर्य एक ऐसे विज्ञान से है, जिसमें सामाजिक (समाजशास्त्रीय) प्रघटनाओं का अध्ययन उसी तरह से किया जाता है, जैसे कि खगोलशास्त्रीय, भौतिकीय, रासायनिक व शरीर रचना से संबंधित घटनाओं का किया जाता है। इस विज्ञान (समाजशास्त्र) के अनुसंधानकर्ताओं का विशिष्ट उद्देश्य यह है कि संभाग के अपरिवर्ती एवं स्वतः जनित नियमों (सिद्धांतों) की निरंतर खोज की जाए। यह समाज विज्ञान सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वोपरि स्तर का विज्ञान है तथा समाज के लिए सर्वाधिक उपयोगी भी है।’

**Next Class:**

**अगस्त कॉम्टः त्रि-स्तरीय नियम तथा प्रत्यक्षवाद  
(Auguste Comte: Law of three stages & Positivism)**

**धन्यवाद!**